www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 336 || लखनऊ
शुक्रवार
13 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:18
सूर्यास्तः 06:14
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 20°00

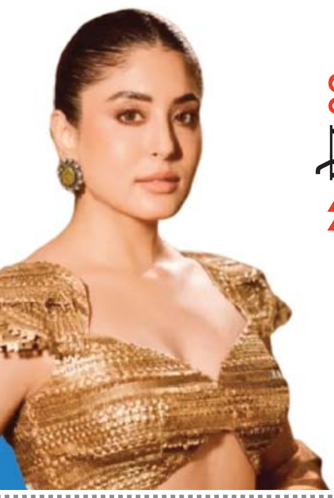

पेज 03

विशेष समाचार | क्या जदयू में निशांत कुमार की... >> पेज 02 | लखनऊ में शंकराचार्य से मिले ... >> पेज 04 | कृतिका कामरा-गौरव कपूर ने घर पर...

एलपीजी संकट

- **45** दिन में गांवों में अब सिलेंडर बुक कर सकेंगे
- **25** दिन में कर सकते थे पहले
- **1000** रुपए वाले घरेलू सिलेंडर के लिए
- **1800** रुपए तक वसूले जा रहे हैं
- **1900** का कॉमर्शियल सिलेंडर
- **4000** में बिक रहा है मध्य प्रदेश में

रोज 50 लाख सिलेंडर डिलीवर हो रहे, 1 लाख पेट्रोल पंप पर तेल की कमी नहीं

सरकार ने माना- घबराहट की वजह से सिलेंडर बुकिंग बढ़ी

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार के विदेश, शिपिंग, पेट्रोलियम, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को देश में कच्चे तेल और गैस की किल्लत को लेकर जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सरकार ने माना कि देश में हालात चुनौतीपूर्ण हैं और घबराहट के कारण देशभर में सिलेंडर बुकिंग में कई गुना बढ़ोतरी देखी गई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का करीब 60% LPG आयात करता है, जिसमें से लगभग 90% सप्लाई स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आती है। देश में रोजाना करीब 50 लाख LPG सिलेंडर की डिलीवरी की जाती है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देश में कच्चे तेल की सप्लाई की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक है और देश के करीब एक लाख पेट्रोल पंपों में से किसी पर भी ईंधन खत्म होने (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के बीच भारत में LPG की डिमांड बढ़ गई है। देशभर में गैस सिलेंडर एजेंसियों के बार लम्बी लाइनें लग रही हैं। सिलेंडरों की कालाबाजारी भी होने लगी है। राज्यों में 900 के घरेलू गैस सिलेंडर के लिए 1800 तक वसूले जा रहे हैं। होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। चित्तौड़गढ़ में रेस्टोरेंट बंद कर कर्मचारियों को घर भेज दिया है। सवाई माधोपुर में भी रेस्टोरेंट बंद होने लगे हैं। जैसलमेर के सम में 150 रिसॉर्ट को बंद करने की तैयारी है। जयपुर में चाय की थड़ी, मिठाई की दुकानों और ढाबों पर कॉमर्शियल की जगह घरेलू सिलेंडर का उपयोग करने लगे हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, शिपिंग मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने दिल्ली में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

गांवों में अब 45 दिन में सिलेंडर बुक कर सकेंगे

ग्रामीण इलाकों के लिए सिलेंडर बुकिंग का नियम बदल दिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ससंद में बताया कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को एक सिलेंडर लेने के बाद अगला सिलेंडर 45 दिन बाद ही मिलेगा। यानी दो सिलेंडरों के बीच अब कम से कम 45 दिन का अंतर रखना जरूरी होगा।

सप्लाई संकट की 2 वजह

1. होर्मुज स्ट्रेट का लगभग बंद होना

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।

2. प्लांट पर ड्रोन हमले से LNG का प्रोडक्शन रुका

पिछले हफ्ते अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसके जवाब में ईरान ने UAE, कतर, कुवैत और सऊदी जैसे देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश कतर ने अपने LNG प्लांट का प्रोडक्शन रोक दिया है। इससे भारत में गैस की सप्लाई घट गई है। भारत अपनी जरूरत की 40% LNG (करीब 2.7 करोड़ टन सालाना) कतर से ही आयात करता है।

पंजाबः लोग सिलेंडर लेकर लाइनों में खड़े, फिर भी गैस नहीं मिल रही

पंजाब में कॉमर्शियल सिलेंडर मिलने बंद हो गए हैं, जबकि घरेलू सिलेंडरों के लिए भी बुकिंग में समस्या आ रही है। जंग से पहले जहां घरेलू सिलेंडर घरों में डिलीवर होता था, अब हालात ये हैं कि लोग एजेंसियों के सामने सिलेंडर लेकर लाइनों में खड़े हैं। फिर भी उन्हें गैस नहीं मिल रही। जालंधर में लोग कॉमर्शियल सिलेंडर को ब्लैक में खरीदने को मजबूर हैं। यहां जो सिलेंडर पहले 1900 रुपए में मिलता था, वह अब 3500 रुपए का मिल रहा है। जबकि, सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारी बता रहे हैं कि LPG की कोई समस्या नहीं है। उनके पास गैस का भरपूर भंडारण है।

मुख्यमंत्री का अयोध्या दौरा

श्रीराम मंदिर और हनुमानगढ़ी में किया पूजन

पूजा-अर्चना

- मुख्यमंत्री योगी ने श्रीराम मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की जानकारी ली।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकलकर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री यहां सबसे पहले महंत प्रेमदास जी महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अन्य संतों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री/कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री/कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

पेट्रोलियम मंत्री ने एपस्टीन को दोस्त कहा था : राहुल

स्पीकर ने बोलने से रोका, पुरी ने कहा- एलपीजी की कमी नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने लोकसभा में गुरुवार को एलपीजी संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'अभी तो दर्द की शुरुआत हुई है। रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं, एलपीजी को लेकर घबराहट है और सड़क किनारे के विक्रेता प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है। अगर अमेरिका यह तय करे कि हम रूस से गैस या तेल खरीद सकते हैं या नहीं, तो यह समझ से परे है। मैं समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह पहेली क्या है।

>> (शेष पेज 04 पर)

> राहुल गांधी ने कहा- प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से। वे एप्स्टीन अदाणी केस की वजह से पैनिक हैं। आपने कल देखा कि सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी। वह देश से कह रहे हैं कि घबराएं नहीं, जबकि वह खुद परेशान लग रहे हैं।

फास्ट न्यूज

एनआरआई मामा ने भरा 1 करोड़ का मायरा

सीकर। NRI (अप्रवासी भारतीय) मामा ने एक करोड़ का मायरा (भात) भरा है। 10 मार्च को निभाई गई रस्म के दौरान कैश के अलावा करीब 21 लाख की ज्वेलरी के साथ कपड़े और अन्य गिफ्ट भी दिए हैं। यह पूरा मामला सीकर के कुंडलपुर का है। रानोली क्षेत्र की भरथा वाली कोठी का यादव परिवार पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार बहन मोहिनी देवी के घर (कुंडलपुर) मायरा लेकर पहुंचा था।

अय्यर के लेटर का थरूर ने दिया जवाब

नई दिल्ली। कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं शशि थरूर और मणि शंकर अय्यर के बीच तनाव और बढ़ गया है। थरूर ने गुरुवार को अय्यर के ओपन लेटर का जवाब ओपन लेटर से दिया है। थरूर ने कहा है कि विदेश नीति पर मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इससे किसी की नीयत या देशभक्ति पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। मणि शंकर अय्यर ने 10 मार्च को अपने लेटर में विदेश नीति पर थरूर के रुख की आलोचना की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि थरूर ने अमेरिका-इजराइल और ईरान से जुड़े मुद्दों पर भारत के नैतिक रुख को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि भारत को शक्तिशाली देशों के दबाव में चुप नहीं रहना चाहिए और गांधी-नेहरू की नैतिक राजनीति से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इंडक्शन की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। देश में एलपीजी की उपलब्धता की बढ़ती चिंता के बीच की ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन की मांग अचानक बढ़ गई है। कई ई-कॉमर्स साइट्स पर ये प्रोडक्ट आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। अमेजन, फ्लिपकार्ट और ब्लिंकिट जैसे प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन के स्टॉक में खासी कमी देखने को मिल रही है।

भारत पर फिर से टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

अनुचित व्यापार के सबूत मिले तो भारी टैक्स लगेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने भारत और चीन समेत अपने 16 प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर्स के खिलाफ 'सेक्शन 301' के तहत नई जांच शुरू कर दी है। 'सेक्शन 301' अमेरिका को उन देशों पर एकतरफा टैक्स बढ़ाने की शक्ति देता है, जो उसकी कंपनियों को नुकसान पहुंच रहे हो। पिछले महीने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ को अवैध बताने के बाद, प्रशासन अब नए कानूनी रास्तों से टैरिफ का दबाव वापस बनाने की तैयारी में है। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) जेमिसन ग्रीर के मुताबिक, इस जांच के कारण इस साल गर्मियों तक भारत, चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको जैसे देशों पर नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं। अगर आप एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बिजनेस में हैं, तो अमेरिकी पॉलिसी पर नजर रखें। जुलाई के बाद टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग गुड्स की कीमतों में बड़े बदलाव आ सकते हैं। जेमिसन ग्रीर ने साफ कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प टैरिफ लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे व्यापार घाटे को कम करने और अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बचाने के लिए हर संभव रास्ता और टूल अपनाएंगे। उन्होंने ट्रेडिंग पार्टनर्स को मौजूदा समझौतों का पालन करने की चेतावनी दी।

पद संभालने के बाद मुजतबा का पहला बयान, कहा- होर्मुज का रास्ता नहीं खुलेगा

अमेरिकी बेस पर हमले जारी रहेंगे : अयातुल्ला मुजतबा

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने पद संभालने के बाद गुरुवार को अपना पहला बयान जारी किया। इसमें उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि वह मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद कर दे, नहीं तो उन पर हमले जारी रहेंगे। मुजतबा ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि उन्हें ईरान पर किए गए हमलों की 'भरपाई' करनी होगी।

> *मुजतबा ने यह भी कहा कि यमन के लड़ाकू समूह भी इस लड़ाई में भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इराक के सशस्त्र समूह भी इस्लामी क्रांति की मदद करना चाहते हैं। दरअसल, ईरान मिडिल ईस्ट में कई ऐसे सशस्त्र समूहों के साथ जुड़ा रहा है जो उसका समर्थन करते हैं, जैसे यमन के हूती और इराक के शिया लड़ाकू समूह। इन्हें अक्सर 'रेजिस्टेंस' या 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' कहा जाता है।*

>> (शेष पेज 04 पर)

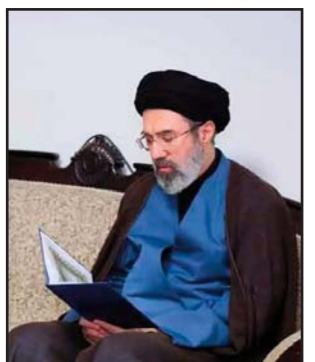

जायसवाल के बयान की 4 अहम बातें...

- **ईरान में फंसे भारतीयों की मदद कर रही सरकार-** MEA के मुताबिक ईरान में मौजूद भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए सरकार मदद कर रही है। अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते लौटने वालों को वीजा और सीमा पार कराने में सहायता दी जा रही है।
- **ईरान में करीब 9 हजार भारतीय नागरिक-** विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान में करीब 9 हजार भारतीय हैं। इनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर और तीर्थयात्री शामिल हैं।
- **पीएम मोदी ने खाड़ी देशों के नेताओं से की बात-** प्रधानमंत्री मोदी ने खाड़ी देशों के नेताओं से बातचीत में जल्द शांति बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर दिया।
- **नागरिकों की सुरक्षा पर भारत का जोर-** भारत ने संघर्ष में आम लोगों को नुकसान से बचाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया।

ट्रम्प बोले- तेल की कीमत बढ़ने से हम बहुत पैसा बना रहे

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को ईरान के साथ बढ़ते तनाव के कारण तेल की बढ़ती कीमतों और बाजार में उतार-चढ़ाव को कम करके दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतें बढ़ने से अमेरिका को भी फायदा होता है।

सुविधा : जिलाधिकारी ने कहा-बुकिंग के बाद घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर, एजेंसी जाने की जरूरत नहीं

एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, होम डिलीवरी व्यवस्था लागू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में एलपीजी गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि जिले में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए होम डिलीवरी व्यवस्था लागू कर दी गई है।उन्होंने कहा कि अब उपभोक्ताओं को गैस एजेंसी जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

सिलेंडर की बुकिंग के बाद निर्धारित समय में उपभोक्ता के घर तक गैस सिलेंडर पहुंचाया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 44 एलपीजी एजेंसियां संचालित हैं। इन एजेंसियों पर नियमित रूप से गैस सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने जानकारी दी कि गुरुवार को जिले की सभी एजेंसियों पर कुल 13 हजार से अधिक गैस सिलेंडर उपलब्ध थे। प्रशासन की ओर से प्रतिदिन स्टॉक की निगरानी की जा रही है, ताकि किसी प्रकार की कमी की स्थिति न बने। एलपीजी उपभोक्ताओं की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए जिले में होम डिलीवरी सिस्टम को पूरी तरह लागू कर दिया गया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

बुकिंग के समय सुरक्षित रखें ओटीपी

जिलाधिकारी ने बताया कि सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच गैस बुकिंग नंबरों पर अधिक दबाव रहता है। इस कारण कभी-कभी उपभोक्ताओं को बुकिंग में परेशानी का सामना करना पड़ता है।उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे इस समय के अलावा अन्य समय पर भी बुकिंग कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया आसानी से पूरी हो सके।उन्होंने यह भी बताया कि होम डिलीवरी के समय हॉकर को ओटीपी देना अनिवार्य है। बुकिंग के दौरान पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को सुरक्षित रखना आवश्यक है। सिलेंडर की डिलीवरी के समय यह ओटीपी हॉकर को देना होगा।

सीएससी केंद्रों पर उपलब्ध होगी ई-केवाईसी सुविधा

प्रशासन ने एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एक और नई सुविधा शुरू की है। जिले के सभी जन सेवा केंद्रों पर गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी कराने की व्यवस्था उपलब्ध करा दी गई है।उपभोक्ता अपने नजदीकी सीएससी केंद्र पर जाकर एलपीजी कनेक्शन से संबंधित ई-केवाईसी करा सकते हैं।जिलाधिकारी ने सभी सीएससी संचालकों को निर्देश दिया है कि वे अपने केंद्रों पर इस सुविधा से संबंधित डिस्प्ले बोर्ड लगाएं, ताकि लोगों को जानकारी मिल सके।

> जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गैस सिलेंडर की जमाखोरी या निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।इसके लिए प्रशासन ने मजिस्ट्रेट, राजस्व और पुलिस कर्मियों की ड्यूटी भी लगाई है। ये टीमें एलपीजी वितरण व्यवस्था की निगरानी करेंगी और अनियमितता मिलने पर कार्रवाई करेंगी।

ऊपर वाले ने बचाया : फारूक अब्दुल्ला

हमलावर ने सिर पर कुछ इंच दूर से गोली चलाई थी

फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। हमलावर ने सिर पर कुछ इंच दूर से गोली चलाई थी। गनीमत रही कि सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर का हाथ ऊपर कर दिया और उन्हें गोली नहीं लगी। अधिकारियों के मुताबिक फारूक जम्मू में एक शादी समारोह में पहुंचे थे। उनके साथ राज्य के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी भी थे। फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा- मुझे ऊपर वाले ने बचाया है। शादी से निकलते समय मैंने कुछ आवाज सुनी, मुझे लगा कि यह पटाखा है। बाद में मुझे बताया गया कि एक आदमी ने पिस्तौल से दो गोलियां चलाईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव किया, जिससे हथियार ऊपर की ओर हो गया और नुकसान होने से बच गया। वहीं, हमलावर कमल ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 20 सालों से फारूक अब्दुल्ला को मारना चाहता था।

सम्पादकीय

ओम बिरला के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव खारिज

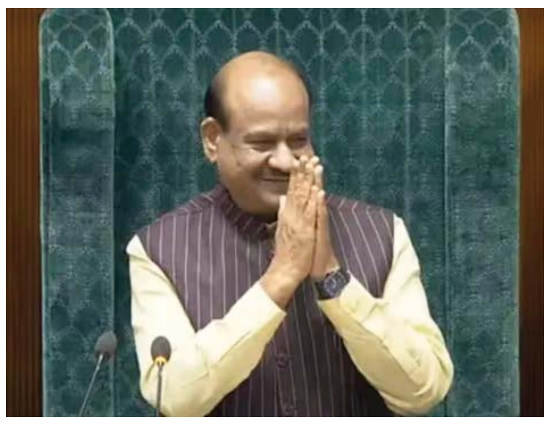

विपक्ष की ओर से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज होना ही था। इसे विपक्ष भी भली तरह जानता था और इसीलिए जब यह प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हुआ तो उसने मतदान की मांग नहीं की, क्योंकि वह समझ रहा था कि नतीजा बदलने वाला नहीं है।

विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर यह दिखाने की कोशिश की थी, वह इसे लेकर बहुत गंभीर है, लेकिन जब उस पर बहस का समय आया तो वह पश्चिम एशिया के संकट पर चर्चा की मांग करने लगा। ऐसा नहीं है कि सरकार इस विषय पर बहस के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस ने यही प्रदर्शित किया कि वह अपनी ही ओर से लाए गए प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं।

निःसंदेह राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उन्हें जो मन में आए, वह बोलने की अनुमति मिल जाए और वे अपने को संसदीय नियमों से परे समझें। वे अपनी समझ से जिन्हें गंभीर विषय बताते हैं और उन पर चर्चा के लिए जोर देते हैं, वे प्रायः हवा-हवाई और सनसनीखेज ही होते हैं।

बीते कुछ दिनों से राहुल गांधी संसद के भीतर-बाहर इस पर जोर देने में लगे हुए हैं कि अमेरिका से अंतरिम व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष समर्पण कर दिया है, लेकिन अभी तो यह समझौता हुआ ही नहीं है। इसके पहले वे यह सिद्ध करने की असफल कोशिश करने में लगे हुए थे कि चुनाव आयोग मोदी सरकार के इशारे पर मतदाता सूचियों का इस तरह विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर करने में लगा हुआ है, ताकि भाजपा को चुनावी लाभ मिले।

सरकार के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप उछालना राहुल गांधी की अगंभीरता को ही दर्शाता है। वे संसद की कार्यवाही को लेकर भी गंभीर नहीं दिखते। इसे गृहमंत्री अमित शाह ने अच्छी तरह रेखांकित किया। उन्होंने विस्तार से बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर खुद को सदन में न बोलने देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने किस तरह 12 महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। इसी तरह संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान किस प्रकार उन्होंने विदेश यात्रा करना आवश्यक समझा।

गृहमंत्री ने यह भी बताया कि सदन में उनकी उपस्थिति किस तरह बहुत कम रहती है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष को हार मिलनी ही थी, लेकिन इसका परिणाम यह नहीं होना चाहिए कि सत्तापक्ष एवं विपक्ष के रिश्ते और कटुतापूर्ण हो जाएं। इससे किसी को कुछ हासिल नहीं होगा। यह समय की मांग है कि संसद में सभी मुद्दों पर धीर-गंभीर तरीके से चर्चा हो, लेकिन यह तब तक संभव नहीं, जब तक विपक्ष हर मसले पर उलटे-सीधे आरोपों के साथ हंगामा करता रहेगा।

क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे?

> ऐसा इसलिए कि यदि निशांत कुमार पार्टी के अंदर स्वीकार्यता बना लेते हैं और संगठन पर पकड़ मजबूत कर लेते हैं, तो वे आने वाले चुनावों में जेडीयू को "पोस्ट-नीतीश" दौर में भी प्रासंगिक रख सकते हैं; वहीं यदि असफल रहे तो बिहार की राजनीति और ज़्यादा द्विध्रुवीय (बीजेपी बनाम आरजेडीझ कांग्रेस) हो सकती है

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अविवाहित इंजीनियर पुत्र निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी लॉन्चिंग से बिहार की राजनीति में दूरगामी असर पड़ना लाजिमी है। चूंकि वह अपने प्रगतिशील और यशस्वी पिता की प्रगतिशील समाजवादी सियासत को संभालेंगे, इसलिए कुछ बातें स्पष्ट हैं। वह यह कि अब तीन बड़े स्तरों पर इस पूरे घटनाक्रम का असर पड़ेगा– सत्ता संतुलन, जेडीयू की आंतरिक राजनीति और राज्य की व्यापक सियासी प्रतिस्पर्धा। इसके अलावा कुछ मौलिक सवाल भी उभरेंगे, जिनकी चर्चा पहले लाजिमी है। स्वाभाविक सवाल है कि क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे? हालांकि इसका जवाब गुजशते वक्त की कोख में पल रहा है, जो समय के साथ स्पष्ट होता जाएगा। पहला यह कि उनके पिता नीतीश कुमार अब शारीरिक रूप से अस्वस्थ होकर 'विलासितापूर्ण' सदन राज्यसभा की ओर रुखसत हो चुके हैं, जबकि बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने अभी भली भांति पूर्वक जवान भी नहीं हो पाए हैं। इसलिए उन्हें उचित नीतिगत पोषण प्रदान करते हुए जवान करने की जिम्मेदारी अब टीम निशांत कुमार की होगी। कहना न होगा कि पहले 20 साल तक यानी 1985 से 2025 तक नीतीश कुमार ने व्यक्तिगत संघर्ष की राजनीति की और बाद के 20 वर्षों तक यानी 2005 से 2025 उन्होंने सत्ता संघर्ष की राजनीति की। इसी कशमकश में बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने वैचारिक कुपोषण, प्रशासनिक धूर्तता के शिकार हो गए और पूरी तरह से जवान नहीं हो पाए। दूसरा यह कि जनता दल यूनाइटेड की सहयोगी पार्टी भाजपा भले ही राष्ट्रीय समाजवादी राजनीति की तरह ही सूबाई समाजवादी राजनीति के प्रतिबिंब जदयू को पीछे धकेलते हुए आगे बढ़ चुकी है, लेकिन पुनः सियासी धोबिया पाट पर राजनीतिक चोट देते हुए जदयू को देश -प्रदेश में पुनः बड़े भाई का दर्जा दिलवाने के सारे दारोमदार अब निशांत कुमार के कंधे पर होंगे। संदेश स्पष्ट है

कि बड़े सपने देखेंगे तो उड़ीसा के नवीन पटनायक की तरह सफलतापूर्वक भविष्य में राज करेंगे, अन्यथा चिराग पासवान की तरह बीजेपी के आगे सियासी दुम हिलाते नजर आएंगे। यदि ऐसा हुआ तो यही समझा जाएगा कि बिहार के चाणक्य नीतीश कुमार ने अपनी पुत्र को समुचित राजनीतिक शिक्षा दिए ही उनकी लॉन्चिंग करवा दी। कुछ ऐसे ही सवाल लोगों के जेहन में उठ भी रहे हैं। तीसरा यह कि जेडीयू और उसके सत्ता समीकरण पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और संभावित नेतृत्व परिवर्तन के साथ निशांत को डिप्टी सीएम/मुख्य चेहरा बनाने की तैयारी है, जिससे जेडीयू में नेतृत्व का खालीपन भरने की कोशिश होगी। यह कदम बीजेपी–जेडीयू गठबंधन में निरंतरता का संदेश देगा कि नीतीश भले पटना से दिल्ली शिफ्ट हों, पर "उनका आदमी/परि-वार" सत्ता में रहेगा, जिससे अचानक अस्थिरता की संभावना घटेगी लेकिन इसके दूरगामी असर नकारात्मक भी हो सकते हैं। चौथा यह कि जेडीयू की आंतरिक राजनीति भी इस घटनाक्रम से प्रभावित होगी। ऐसा इसलिए कि जेडीयू के कई एमएलए–एमपी ने खुले तौर पर मांग की कि निशांत ही पार्टी को "एकजुट रख सकते हैं", जो यह दिखाता है कि नेतृत्व संकट से बचने के लिए संगठन परिवारवाद को स्वीकार कर चुका है। इससे पुराने कद्दावर नेताओं के बीच पद–प्रतिष्ठा को लेकर खींचतान बढ़ सकती है क्योंकि अचानक एक नए, राजनीतिक रूप से अनुभवहीन चेहरे को शीर्ष पर लाना वरिष्ठों की महत्वाकांक्षाओं से टकराएगा। चवां यह कि इस बड़े बदलाव से जदयू के वंशवाद बनाम सुशासन की छवि टकराएगी क्योंकि नीतीश लंबे समय से वंशवाद के खिलाफ बोलते रहे हैं; और अब बेटे की लॉन्चिंग से उनकी राजनीतिक व वैचारिक साख और "सुशासन बाबू बनाम पारिवारिक राजनीति" वाली नैरेटिव पर विपक्ष को मजबूत हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं, आरजेडी–कांग्रेस सहित विपक्ष इसे "डबल स्टैंडर्ड" कहकर भुनाएगा, जिससे सामाजिक न्याय बनाम परिवारवाद की पुरानी बहस फिर तेज होगी और यादव–गैर लवकुश ओबीसी–अल्पसं-ख्यक वोटों की समीकरण राजनीति और ज्यादा आक्रामक हो सकती है, जिसकी धार नीतीश कुमार और भाजपा मिलकर कुंद कर चुकी हैं। छठा यह कि जदयू के इस घटनाक्रम का सूबाई युवा और सामाजिक आधार पर भी संभावित प्रभाव पड़ेगा। अब जदयू पार्टी के भीतर से यह तर्क दिया जा रहा है कि निशांत के आने से युवा वोटर और पढ़ा–लिखा मध्यवर्ग जुड़ सकता है, लेकिन यह तभी होगा जब वे जल्दी ज़मीनी राजनीति सीखकर स्वतंत्र छवि बना पाएं। अभी के लिए उनका पूरा राजनीतिक वैधता पूंजी "नीतीश के बेटे" होने से आती है; अगर प्रशासनिक या संगठनात्मक क्षमता जल्दी साबित न हुई तो वे सिर्फ प्रतीकात्मक वारिस बनकर रह सकते हैं जिससे जेडीयू की गिरती सामाजिक पकड़ नहीं रुक पाएगी। सातवां यह कि निशांत कुमार की लॉन्चिंग का बिहार की व्यापक सियासत में लंबी अवधि का असर पड़ेगा। निकट भविष्य में यह कदम बीजेपी–जेडीयू सरकार को स्थायित्व देगा, लेकिन मध्यम अवधि में यह तय करेगा कि नीतीश के बाद जेडीयू स्वतंत्र शक्ति बनी रहती है या भाजपा पर और अधिक निर्भर हो जाती है। ऐसा इसलिए कि यदि निशांत कुमार पार्टी के अंदर स्वीकार्यता बना लेते हैं और संगठन पर पकड़ मजबूत कर लेते हैं, तो वे आने वाले चुनावों में जेडीयू को "पोस्ट-नीतीश" दौर में भी प्रासंगिक रख सकते हैं; वहीं यदि असफल रहे तो बिहार की राजनीति और ज़्यादा द्विध्रुवीय (बीजेपी बनाम आरजेडी–कांग्रेस) हो सकती है और जेडीयू हाशिये पर जा सकता है। आठवां यह कि निशांत की एंट्री ने नीतीश कुमार के सालों पुराने एंटी-वंशवाद नैरेटिव को सीधे काट दिया और बिहार में लगभग सभी बड़े नेताओं के परिवारवाद को एक साथ एक्सपोज़ कर दिया। इससे यह साफ दिखने लगा कि 'वंशवाद विरोध' ज्यादातर नैतिकता नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति की भाषा थी। इस मुद्दे पर नीतीश का यू-टर्न और नैतिकता का संकट खड़ा हो गया है। नीतीश खुद को कर्पूरी ठाकुर की परंपरा का मानते रहे, जो बेटे को राजनीति से दूर रख कर वंशवाद के खिलाफ उदाहरण बताए जाते हैं।

कमलेश पांडेय

जन सुराज का...

ज्ञान चंद पाटनी

पैसिव यूथेनेशिया: गरिमापूर्ण मुक्ति का मार्ग लेकिन दुरुपयोग का खतरा भी कम नहीं

उच्चतम न्यायालय ने एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है जो न केवल एक व्यक्ति की लंबी पीड़ा को समाप्त करता है बल्कि वह जीवन, मृत्यु, गरिमा और नैतिकता से जुड़े गंभीर सवालों से भी जुड़ा है। 32 वर्षीय हरीश राणा 2013 में एक इमारत से गिरने के बाद 13 वर्ष से लगातार पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट (पीवीएस) में था। उसे अब मशीनों की कैद से मुक्ति मिलेगी। पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट गंभीर मस्तिष्क क्षति के बाद उत्पन्न होने वाला एक विकार है। इसमें रोगी जागृत लगता है लेकिन अपने परिवेश या स्वयं के प्रति पूरी तरह से अनभिज्ञ रहता है। उसमें सोचने, बात करने या प्रतिक्रिया करने की क्षमता नहीं होती। इसकी कोई विशिष्ट चिकित्सा नहीं है। देखभाल के लिए ट्यूब फीडिंग और संक्रमण से बचाव पर ध्यान दिया जाता है। हरीश राणा के मामले में न्यायाधीश जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने क्लिनिकली असिस्टेड न्यूट्रिशन सहित सभी जीवन रक्षक चिकित्सा धीरे—धीरे बंद करने की अनुमति दी है। भारत में पैसिव यूथेनेशिया यानी निष्क्रिय इच्छामृत्यु का यह पहला मामला है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 की एक अपूर्व और प्रगतिशील व्याख्या भी करता है। संविधान निर्माताओं ने ₹जीने का अधिकार₹ की गारंटी दी थी। अदालत ने अब ₹गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार₹ के रूप में इसका विस्तार किया है। हरीश राणा की स्थिति को अदालत ने अत्यंत दयनीय करार दिया। रोगी को ट्रेकियोस्टॉमी ट्यूब से सांस लेने, गैस्ट्रोस्टॉमी से भोजन ग्रहण करने और दैनिक क्रियाओं के लिए पूर्ण बाहरी सहायता की आवश्यकता थी। इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि चिकित्सा व्यर्थ हो और मरीज की स्थिति में सुधार असंभव हो तो मशीनों पर जीवन के कृत्रिम अस्तित्व को बनाए रखना न केवल पीड़ादायक है बल्कि अमानवीय भी है। उल्लेखनीय है कि कॉमन कॉज बनाम भारत संघ (2018) के मामले में सुप्रीम

कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया को संवैधानिक वैधता प्रदान की थी। यदि दो मेडिकल बोर्ड प्रमाणित करें कि उपचार व्यर्थ है तो जीवन रक्षक उपचार रोकने की अनुमति दी जा सकती है। प्राइमरी बोर्ड अस्पताल से और सेकेंडरी बोर्ड बाहरी विशेषज्ञों से बनता है। अदालत ने इस प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासनिक दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस फैसले का एक प्रमुख सकारात्मक पहलू प्रक्रियागत पारदर्शिता और मानवीयता का संतुलन है। अदालत ने प्राइमरी मेडिकल बोर्ड (उपचार करने वाले अस्पताल से) और सेकेंडरी मेडिकल बोर्ड (बाहरी विशेषज्ञों से) की दोहरी जांच प्रक्रिया को और मजबूत किया। सभी पक्षकारों यथा परिवार, दोनों बोर्डों—की एकमत सहमति को ध्यान में रखकर निर्णय किया गया है। प्रक्रिया को ₹मानवीय और गरिमापूर्ण₹ तरीके से पूरा करने के लिए एम्स दिल्ली को स्पष्ट निर्देश दिया गया है। यह फैसला न केवल चिकित्सकीय प्रक्रिया को मानवीय बनाता है बल्कि मरीज की गरिमा को सर्वोपरि रखता है। इस फैसले का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी पड़ेगा। भारत के सरकारी और निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज वेंटिलेटरों, आईसीयू बेडों और अन्य जीवन रक्षक उपकरणों पर निर्भर हैं। विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट में रिकवरी की संभावना बहुत क्षीण होती है। लंबे समय तक चलने वाला उपचार केवल पीड़ा को लंबा खींचता है, कोई चिकित्सकीय लाभ नहीं देता। यह फैसला चिकित्सकों को व्यर्थ उपचार के नैतिक और कानूनी दायित्व से मुक्त करेगा। साथ ही रोगी के परिजनों को भी राहत मिलेगी। अदालत ने केंद्र सरकार को एंड ऑफ लाइफ केयर के लिए समग्र कानून लाने की अपील कर विधायी प्रक्रिया को गति दी है। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि इसे किसी भी तरह से एक्टिव यूथेनेशिया यानी सक्रिय इच्छामृत्यु नहीं कहा जाना चाहिए। सक्रिय इच्छामृत्यु किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने के लिए घातक इंजेक्शन देना है। हरीश के मामले में उसे वर्तमान में पीईजी ट्यूब के रूप में जो जीवन रक्षक उपचार मिल रहा है, उसे बंद कर दिया जाएगा और उसे उचित दर्द निवारक दवाएं और आरामदेह देखभाल प्रदान की जाएगी ताकि प्रकृति अपना काम कर सके। पैसिव यूथेनेशिया कई देशों में वैध है क्योंकि इसे उपचार रोकने का अधिकार माना जाता है, जो मरीज की इच्छा या परिवार की सहमति पर आधारित होता है। पैसिव यूथेनेशिया ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी टर्मिनली इल (अंतिम चरण का रोगी) मरीज के जीवन को बनाए रखने वाले लाइफ सपोर्ट सिस्टम या ट्रीटमेंट को हटाया या रोका जाता है। इससे व्यक्ति की प्राकृतिक मौत हो जाती है। इस फैसले के दूसरे पहलुओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। सबसे बड़ा खतरा इसके दुरुपयोग का है। भारत में सामाजिक सुरक्षा का ढांचा बहुत कमजोर है। आर्थिक तंगी वाले परिवार बहुत जल्दबाजी में निर्णय ले सकते हैं। हरीश राणा का मामला तो स्पष्ट था। वह 13 वर्ष से पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट में था. उसकी स्थिति को लेकर सभी बोर्ड सहमत थे और परिवार ने भी सहमति जता दी थी। क्या ऐसे हर मामले में ऐसी स्पष्टता होगी? गरीब परिवार आर्थिक दबाव में निर्णय ले सकते हैं। अस्पताल भी बेड खाली कराने के लिए ऐसी रिपोर्ट बना सकते हैं। ऐसी हालत में मरीज कुछ भी कर पाने में असमर्थ होता है, निर्णय परिवार को ही करना होगा।

भारत और नेपाल...

रामस्वरूप रावतसरे

जेन-जी से निकले बालेन शाह क्या उसकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे?

नेपाल की राजनीति इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। 5 मार्च 2026 को हुए आम चुनाव के बाद जारी मतगणना के शुरुआती रुझानों में 35 वर्षीय बालेन शाह और उनकी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को भारी बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। 165 सीटों वाली संसद में उनकी पार्टी 100 से अधिक सीटों पर आगे बताई जा रही है। यदि अंतिम परिणाम भी इसी दिशा में आते हैं तो नेपाल की राजनीति में दशकों से सक्रिय पारंपरिक दलों, नेपाली कॉन्ग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों को बड़ा झटका लग सकता है। हालाँकि बालेन शाह का संभावित सत्ता में आना केवल राजनीतिक बदलाव नहीं माना जा रहा बल्कि इसे राष्ट्रवादी बयानबाजी और पड़ोसी देशों पर तीखी टिप्पणियों से भी जोड़ा जा रहा है। बालेन शाह खुद को नई पीढ़ी का नेता बताते हैं लेकिन उनके आलोचक उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जो आक्रामक बयानबाजी, जनभावनाओं को भड़काने और राजनीतिक अस्थिरता से फायदा उठाने की कोशिश करते रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अगर बालेन शाह नेपाल के प्रधानमंत्री बनते हैं तो इसका असर केवल नेपाल की राजनीति तक सीमित रहेगा या भारत-नेपाल संबंधों और क्षेत्रीय कूटनीति पर भी पड़ेगा। नेपाल में इस बार का चुनाव सामान्य परिस्थितियों में नहीं हुआ था। 2025 में देश गंभीर राजनीतिक संकट से गुजरा। सितंबर 2025 में सोशल मीडिया प्रतिबंध के विरोध से शुरू हुआ जेन-जी आंदोलन जल्द ही सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया। राजधानी काठमांडू समेत कई शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई जिसमें लगभग 19 लोगों की मौत हुई और 300 से अधिक लोग घायल हुए। इन घटनाओं के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और संसद भंग हो गई।

इसके बाद नए चुनाव की घोषणा की गई। अब उसी राजनीतिक अस्थिरता के बाद हुए चुनावों में बालेन शाह की पार्टी को बड़ी बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। यदि यह रुझान परिणामों में बदलता है तो यह नेपाल की राजनीति में एक बड़ा सत्ता परिवर्तन होगा। बालेन शाह का पूरा नाम बालेंद्र शाह है। उनका जन्म 1990 में काठमांडू में हुआ था। उनके पिता राम नारायण शाह आयुर्वेद के चिकित्सक थे और उनकी माँ गृहिणी थीं। उन्होंने नेपाल में सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में भारत के कर्नाटक स्थित विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से मास्टर्स डिग्री हासिल की। 2015 में आए विनाशकारी नेपाल भूकंप के बाद उन्होंने पुनर्निर्माण के कुछ कार्यों में हिस्सा लिया लेकिन उनकी असली पहचान एक इंजीनियर के रूप में नहीं बल्कि रैपर और सोशल मीडिया एक्टिविस्ट के रूप में बनी। उनकी लोकप्रियता का आधार उनके गाने और सोशल मीडिया पोस्ट रहे जिनमें वे नेपाल की राजनीति और नेताओं पर तीखे हमले करते थे। जानकारों के अनुसार उनका गाना 'बलिदान' युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ। इस गाने में उन्होंने राजनीतिक व्यवस्था पर हमला करते हुए कहा कि देश को बचाने का दावा करने वाले नेता ही देश को बर्बाद कर रहे हैं। नेपाल के युवाओं के बीच यह गाने व्यवस्था विरोधी भावना को बढ़ाने वाले माने गए।

वसई - विरार ही नहीं देश में कई शहरों में हो रही दवाइयों में हेरा फेरी

देशभर में एक बार फिर से दवाओं में मिलावट और औषधि बनाने वाली फ़ार्मास्यूटिकल कम्पनियों की मुनाफ़ाखोरी की क़ीमत एक्सपायर डेट वाली दवाओं के उपयोग से मासूम ज़िन्दगियों द्वारा चुकायी गई है। हाल ही में मुंबई से सटे वसई – विरार में महानगर पालिका के पेटिट अस्पताल में एक्सपायर डेट वाली दवाओं का खजाना पकड़ा गया है । इस मामले को भाजपा के नव निर्वाचित नगरसे-वक व गट नेता अशोक शेलके के नेतृत्व में भाजपा के नगर सेवकों ने किया है । महाराष्ट्र प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेन्द्र Fadnavis से इस कोभांड के जाँच के आदेश भी दे दिए है । मुंबई से सटे शहर में ऐसा हो सकता है तो दूसरे शहरों के बारे में क्या कहें एक दूसरे घटनाक्रम में मध्य प्रदेश के परासिया में कोल्ड्रिफ नामक सिरप के सेवन से 20 बच्चों की मौत हो गयी, जबकि 10 से अधिक बच्चे गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं यह बात अभी तक लोग भूले नहीं है । यह सिरप श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित था। इसी प्रकार राजस्थान में कैसन्स फ़ार्मा द्वारा तैयार खाँसी के सिरप के सेवन से 12 बच्चों की जान चली गयी। मध्यप्रदेश के ही ग्वालियर ज़िले में दूषित खाँसी के सिरप से हुई बच्चों की मौतों के मामले के ठीक कुछ दिन बाद ही एक सरकारी अस्पताल में सरकार द्वारा आपूर्ति की गयी एज़िथ्रोमाइसिन सिरप की बोतल में कीड़े पाये जाने की घटना सामने आयी है। एक महिला ने शिकायत की कि जब उसने अपने बच्चे को देने के लिए सिरप की बोतल खोली, तो उसमें कीड़े दिखायी दिये।

अशोक भाटिया

जरा हटके

विभिन्न देशों द्वारा...

राजेश कुमार पासी

युद्धों को रोकने में नाकाम होती विश्व व्यवस्था

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया ने युद्धों से बचने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ का निर्माण किया था । अपनी स्थापना की शुरुआत में ये संगठन कुछ हद तक कामयाब होता दिखाई दे रहा था। वास्तव में यह शांति इस संगठन की वजह से नहीं थी बल्कि दो शक्तिशाली वैश्विक ध्रुवों के कारण थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका और सोवियत संघ दो सुपर पावर बन कर सामने आए। धीरे-धीरे विश्व इन दोनों शक्ति केंद्रों में बंट गया जिसके बाद इनके बीच सीधा युद्ध नहीं हुआ लेकिन एक संघर्ष चलता रहा जिसे दुनिया शीत-युद्ध के नाम से जानती है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भी अमेरिका और सोवियत संघ के कारण एक संतुलन बना रहा लेकिन 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका एकमात्र विश्वशक्ति बन गया। तब से लेकर अमेरिका पूरी दुनिया को अपने तरीके से चला रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी पश्चिमी देश मिलकर पूरी वैश्विक व्यवस्था को चला रहे हैं। अमेरिका की दादागिरी इतनी ज्यादा हो गई है कि वो संयुक्त राष्ट्र संघ को अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने लगा है। देखा जाए तो बात केवल संयुक्त राष्ट्र संघ की भी नहीं है, अमेरिका ने लगभग विश्व की सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। इसके कारण ही कई देशों ने अलग से अंतरराष्ट्रीय संगठन और मंचो का निर्माण किया है। विभिन्न देशों द्वारा यूएनओ के विकल्प के रूप में बनाये गए संगठन क्या अपनी कोई भूमिका वैश्विक व्यवस्था में निभा रहे हैं। यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि अमेरिका-इजराइल और ईरान के युद्ध ने पूरी दुनिया के लिए संकट खड़ा कर दिया है । इस संकट के समय यूएनओ तो गायब है ही लेकिन दूसरे संगठन भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस युद्ध के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट आने वाला है और सिर्फ इसका इंतजार किया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि कोई वैश्विक व्यवस्था बची ही नहीं है, जिसकी जो मर्जी है, वो कर रहा है। दोनों पक्ष अपनी ताकत का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं, इसका दुनिया पर क्या असर होगा, इसकी कोई परवाह नहीं कर रहे हैं। देखा जाए तो दुनिया एक जंगल बन चुकी है, 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली व्यवस्था काम कर रही है। अगर अन्य संगठनों की बात करें तो मुख्य रूप से ब्रिक्स, एससीओ, जी-20 और ओआईसी ताकतवर संगठनों के रूप में सामने आते हैं। इस

युद्ध को रोकने की बात तो दूर, इससे होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने की कोशिश भी कहीं दिखाई नहीं दे रही है। ब्रिक्स और एससीओ में रूस, चीन और भारत जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हैं लेकिन युद्ध को रोकने के लिए दोनों मंचो से कोई आवाज नहीं आयी है। जी-20 देशों में तो लगभग सभी शक्तिशाली देश शामिल हैं लेकिन वो भी चुप है। सबसे बड़ी बात ये है कि लगभग पूरा मिडल ईस्ट खतरे में आ गया है लेकिन ओआईसी की एक बैठक तक बुलाई नहीं गयी है । जब तक युद्ध शुरू नहीं हुआ था, तब तक तो इस संगठन का चुप रहना समझ आता था, लेकिन इस युद्ध ने जो रूप ले लिया है, इसके बाद भी ये संगठन निष्क्रिय है, ये समझना बहुत मुश्किल है। इस संगठन में दुनिया के लगभग सभी मुस्लिम देश शामिल हैं लेकिन इन्होंने खामनेई और उनके सहयोगियों की हत्या का विरोध नहीं किया है। अब तो ऐसा लग रहा है कि ईरान का युद्ध अमेरिका और इजराइल से ज्यादा अरब देशों के खिलाफ हो गया है। ईरान अरब देशों की अर्थव्यवस्था खत्म करने में लगा हुआ है । जब तक ईरान अरब देशों के अमेरिकी अड्डों पर हमले कर रहा था, तब तक तो फिर भी ठीक था, लेकिन अब ईरान इन देशों के नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहा है, ऐसे में ओआईसी का चुप रहना अचंभित करता है। जिस तरह से ईरानी नेतृत्व क्रूड ऑयल का दाम 200 डॉलर तक ले जाने का दावा कर रहा है, ये मुस्लिम देशों की बड़ी समस्या बन जाएगा। ईरान की रणनीति अमेरिका को झुकाने की है. वो अपनी जगह सही हो सकता है लेकिन इसके असर से दुनिया में आने वाली बर्बादी से कौन तबाह होगा, इस पर भी तो विचार करने की जरूरत है। ओआईसी मुस्लिम हितों के लिए बनाया गया संगठन है और इस युद्ध से मुस्लिम हितों को बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। वास्तव में मुस्लिम नेतृत्व ज्यादातर अमेरिका के पक्ष में है लेकिन मुस्लिम समुदाय ईरान के पक्ष में है। इसकी वजह यह है कि ईरान पर हमला किया गया है, इसलिए वो पीड़ित दिखाई दे रहा है। ईरान जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ लड़ रहा है, उससे पूरे मुस्लिम समुदाय में गर्व की भावना पैदा हो गई है। अमेरिका के झुकने से मुस्लिम समुदाय को आत्मिक शांति मिल सकती है, लेकिन तेल की कमी से पैदा होने वाली समस्याओं की मार सबसे गरीब देशों पर पड़ने वाली है और ज्यादातर मुस्लिम देश पहले ही गरीबी की मार झेल रहे हैं। यूएनओ धीरे-धीरे अपना महत्व खोता जा रहा है क्योंकि वहां वही होता है, जो अमेरिका चाहता है लेकिन इसके विकल्प में बने संगठनों का क्या महत्व रह गया है। क्या ये संगठन सिर्फ बड़े-बड़े आयोजन करने के लिए ही हैं, या जमीन पर भी कुछ असर है। इस युद्ध की मार पूरी दुनिया पर पड़ने वाली है, इसलिए सबको अपना काम करना चाहिए। ब्रिक्स और एससीओ में चीन और रूस शामिल हैं, ये दोनों अपने प्रभाव का इस्तेमाल ईरान को रोकने में कर सकते हैं, वैसे भी ईरान इनका सहयोगी देश है। इस युद्ध में अप्रत्यक्ष रूप में चीन और रूस ईरान की मदद कर रहे हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है । ईरान की रक्षा करने तक तो ठीक है, लेकिन वो जिस तरह से अन्य देशों को इस युद्ध में घसीट रहा है, उसे तो रोका जाना चाहिए । बेशक अमेरिका से रूस और चीन की दुश्मनी हो, लेकिन अरब देशों के साथ तो ऐसा नहीं है। तेल महंगा होने से रूस को तो फायदा होगा लेकिन चीन के लिए तो ये बड़ी समस्या होने वाली है। अगर एससीओ, ब्रिक्स और ओआईसी मिलकर काम करें तो ईरान और अरब देशों को इस युद्ध से होने वाले नुकसान से बचाने की कोशिश की जा सकती है । ईरान ने अमेरिका की सारी हेकड़ी निकाल दी है, लेकिन वो खुद भी बर्बाद हो रहा है। कुछ भी हो जाये, ईरान युद्ध जीतने वाला नहीं है. वो सिर्फ इजराइल को नुकसान पहुंचा सकता है। ईरान अमेरिकी हितों पर चोट कर सकता है. लेकिन अमेरिका पर हमला नहीं कर सकता। ईरान ने हेम्रुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है जिससे दुनिया में तेल का संकट पैदा हो गया है। इस संकट की मार अमेरिका और इजराइल से ज्यादा भारत, चीन और दूसरे देशों पर पड़ने वाली है। तेल की कमी से पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है. ये पूरी दुनिया में होने वाला है। देखा जाए तो ये युद्ध सिर्फ अमेरिका, इजराइल और ईरान का नहीं रह गया है, ये पूरी दुनिया का युद्ध बन चुका है।

हार्दिक पंड्या के खिलाफ तिरंगे के अपमान की शिकायत

वर्ल्ड कप जीत के जश्न के दौरान फ्लैग ओढ़कर जमीन पर लेटने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिदकर ने दी है। उनका आरोप है कि टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत के बाद अहमदाबाद में हुए जश्न के दौरान पंड्या ने तिरंगे का उचित सम्मान नहीं किया। शिकायत के अनुसार, टीम इंडिया की जीत के बाद मैदान पर खिलाड़ियों द्वारा जश्न मनाए जाने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इन वीडियो में पंड्या अपने कंधे पर तिरंगा ओढ़े हुए मैदान पर दौड़ते और नाचते दिखाई दे रहे हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि जश्न के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के साथ इस तरह का व्यवहार उसकी गरिमा के खिलाफ है। बता दें कि टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने New Zealand national cricket team को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने टी-20 क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। भारत इससे पहले ICC Men's T20 World Cup 2007 और ICC Men's T20 World Cup 2024 में भी खिताब जीत चुका है। यह पहली बार है जब किसी टीम ने अपने ही देश में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ लगातार दो बार यह ट्रॉफी अपने नाम की है।अब इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में बहस शुरू हो गई है। हालांकि अभी तक Hardik Pandya की ओर से इस शिकायत पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राष्ट्रीय ध्वज कानून का दिया हवाला

शिकायतकर्ता वकील वाजिद खान बिदकर ने बताया कि The Prevention of Insults to National Honour Act, 1971 के तहत राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है। इस कानून के अनुसार तिरंगे को जमीन पर गिरने देना, अनुचित तरीके से पहनना या किसी भी प्रकार से उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाना दंडनीय अपराध माना जाता है। उन्होंने कहा कि जश्न के दौरान पंड्या इस कानून के प्रावधानों का ध्यान नहीं रख पाए, इसलिए उनके खिलाफ इसी अधिनियम की धारा 2 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई है।

बेंगलुरु के शिवाजी नगर थाने में दी शिकायत

वकील ने बताया कि उन्होंने बेंगलुरु के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी है। शुरुआत में पुलिस ने यह कहते हुए मामला दर्ज करने से हिचक दिखाई कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए शिकायत वहीं दर्ज होनी चाहिए हालांकि शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि तिरंगा पूरे देश का राष्ट्रीय प्रतीक है, इसलिए उसके अपमान से जुड़ी शिकायत देश के किसी भी हिस्से में दर्ज कराई जा सकती है।

भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर जीता खिताब

बता दें कि टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने New Zealand national cricket team को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने टी-20 क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। भारत इससे पहले ICC Men's T20 World Cup 2007 और ICC Men's T20 World Cup 2024 में भी खिताब जीत चुका है। यह पहली बार है जब किसी टीम ने अपने ही देश में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के साथ लगातार दो बार यह ट्रॉफी अपने नाम की है।

- हार्दिक पंड्या टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद गर्लफ्रेंड के साथ जश्न मनाते हुए दिखे। तिरंगा उनके कंधे पर था।
- बेंगलुरु के वकील वाजेद खान बिडकर जिन्होंने पंड्या के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

मंच पर लेटे होने का भी आरोप

वकील का आरोप है कि वायरल वीडियो के एक हिस्से में पंड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे हुए दिखाई देते हैं। उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा मौजूद था।

शिकायतकर्ता का कहना है कि राष्ट्रीय ध्वज को इस तरह इस्तेमाल करना उसके सम्मान के विरुद्ध माना जा सकता है।

पिता के निधन के बाद जितेश की बदली सोच

बोले- वर्ल्डकप टीम से बाहर होने का दुख छोटा लगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से उन्हें निराशा जरूर हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद उनके जीवन में ऐसा व्यक्तिगत दुख आया जिसने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी। जितेश के पिता मोहन शर्मा का 1 फरवरी को छोटी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उस समय वह सात दिन तक अपने पिता के साथ रहे और उसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि परिवार उनके लिए वर्ल्ड से भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। समाचार एजेंसी पीटीआई (PTI) को दिए एक इंटरव्यू में जितेश ने अपने करियर के उतार-चढ़ाव और निजी जिंदगी पर खुलकर बात की। वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने के अनुभव पर जितेश ने कहा,'जब मुझे पता चला कि मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ है, तो मैं थोड़ा निराश था। आखिर मैं भी एक इंसान हूं और बुरा महसूस करना स्वाभाविक है।

लेकिन कुछ ही समय बाद मेरे पिता बीमार हो गए और 1 फरवरी को उनका निधन हो गया। मैं उनके आखिरी सात दिनों में उनके साथ था। तब मुझे अहसास हुआ कि मेरे पिता को वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरी जरूरत थी। उसके बाद मेरे मन में टीम से बाहर होने का कोई दुख नहीं रहा।'

फास्ट न्यूज

सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई धुरंधर

नई दिल्ली। 19 मार्च को रिलीज होने वाली फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' यानी धुरंधर 2 से पहले 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' को एकबार फिर वर्ल्ड वाइड रिलीज किया जा रहा है। जियो स्टूडियोज और B62 स्टूडियोज मिलकर इसे भारत सहित विदेशों में भी बड़े स्तर पर रिलीज कर रहे हैं। फिल्म का पहला भाग आज यानी 12 मार्च से भारत की 250 स्क्रीन्स पर दोबारा दिखाया जा रहा है।

मोनालिसा ने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान से शादी की

नई दिल्ली। महाकुंभ में अपनी खूबसूरत आंखों और मासूम मुस्कान के कारण सोशल मीडिया पर वायरल हुईं मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी पर्सनल लाइफ है। खबरों के मुताबिक मोनालिसा ने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ शादी कर ली है। हालांकि इस रिश्ते को लेकर उनके परिवार ने विरोध जताया है, जिसके चलते दोनों को पुलिस से सुरक्षा मांगनी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मोनालिसा और फरमान करीब डेढ़ साल से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर हुई थी और वहीं से उनकी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। जब दोनों ने शादी करने का फैसला किया तो परिवार ने इसका विरोध किया।

ट्रम्प के पास जंग खत्म करने का कोई प्लान नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 18 फरवरी को जब यह तय कर रहे थे कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, तब ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें यह चिंता नहीं थी कि अगर युद्ध हुआ तो मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई पर असर पड़ेगा या तेल के बाजार में बड़ी गड़बड़ी होगी।

रैपर फ्लिपराची का भारत दौरा कैंसिल

मिडिल ईस्ट के तनाव की वजह से बेंगलुरु-मुंबई के शोज टले, धुरंधर के मेकर्स को नुकसान

मुंबई। ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर के गाने 'फासला' (Fa9la) से भारत में फेमस हुए बहरीन के रैपर फ्लिपराची ने अपने शो कैंसिल कर दिए हैं। फ्लिपराची को बेंगलुरु और मुंबई में लाइव परफॉर्म करना था, लेकिन अब मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सुरक्षा कारणों की वजह से उनका आना टल गया है। फ्लिपराची को 13 मार्च को मुंबई के फीनिक्स मार्केटसिटी और 14-15 मार्च को बेंगलुरु के 'UN40 म्यूजिक एंड बियॉन्ड' फेस्टिवल में अपरफॉर्म करना था। सारेगामा इंडिया ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि मिडिल ईस्ट और बहरीन में चल रहे मौजूदा तनावपूर्ण हालातों की वजह से सुरक्षा और यात्रा संबंधी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। कंपनी के मुताबिक, इन परिस्थितियों में कलाकार का सफर करना संभव नहीं है। हालांकि, बेंगलुरु के म्यूजिक फेस्टिवल में अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियां जारी रहेंगी। फ्लिपराची का यह दौरा रद्द होना फिल्म 'धुरंधर' के मेकर्स के लिए किसी नुकसान से कम नहीं है। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

> एक इंटरव्यू में फ्लिपराची ने बताया था कि यह गाना फिल्म का हिस्सा कैसे बना। उन्होंने कहा, 'मेकर्स अक्षय खन्ना के विलेन वाले किरदार के लिए एक ऐसा संगीत ढूंढ रहे थे जो डार्क और थोड़ा अलग हो। जब उन्होंने फासला की धुन सुनी, तो उन्हें लगा कि यह एकदम सही है। एक कॉल पर ही सब कुछ फाइनल हो गया।' भारत से मिल रहे प्यार पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके इंस्टाग्राम का इनबॉक्स हजारों मैसेज से भरा रहता है, जिसे देखकर वे अक्सर हैरान रह जाते हैं।

मेकर्स की योजना थी कि रिलीज से ठीक पहले बड़े शहरों में फ्लिपराची के शोज के जरिए फिल्म का माहौल बनाया जाए।

कृतिका कामरा-गौरव कपूर ने घर पर रजिस्टर्ड मैरिज की

लाल चंदेरी साड़ी में दिखीं एक्ट्रेस, सहवाग-युवराज समेत कई स्टार्स पहुंचे

मुंबई। एक्ट्रेस कृतिका कामरा और मशहूर होस्ट गौरव कपूर शादी के बंधन में बंध गए हैं। 11 मार्च की शाम मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर पर दोनों ने एक निजी समारोह में रजिस्टर्ड मैरिज की। कृतिका और गौरव ने किसी बड़े ताम-झाम और पारंपरिक शादी की बजाय घर पर ही शादी करने का फैसला किया। समारोह में केवल परिवार के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए।

मां की गिफ्ट की हुई लाल चंदेरी साड़ी पहनी

शादी के मौके पर कृतिका कामरा लाल रंग की चंदेरी साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आईं। खास बात यह है कि यह साड़ी उन्हें उनकी मां ने गिफ्ट की थी। इसे कृतिका के अपने ब्रांड 'सिन्नाबार' ने तैयार किया है, जो पारंपरिक चंदेरी कला को बचाने और महिला कारीगरों को बढ़ावा देने का काम करता है।

> शादी के बाद घर की छत (टेरेस) पर एक आफ्टर-पार्टी रखी गई। इसमें क्रिकेट जगत से वीरेंद्र सहवाग, जहीर खान और युवराज सिंह पहुंचे। वहीं बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री से नेहा धूपिया, अंगद बेदी, सोहा अली खान, मलाइका अरोड़ा और पूजा गौर जैसे सितारे शामिल हुए।

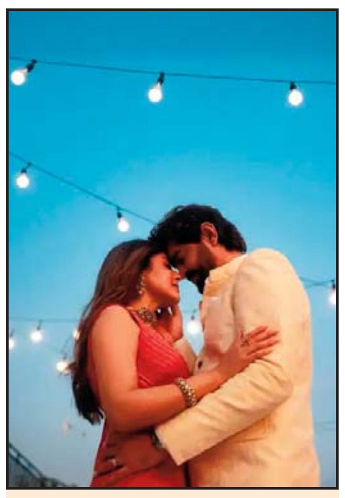

अपनों के बीच नया चैप्टर शुरु करना खुशी की बात

अपनी शादी को लेकर गौरव और कृतिका ने कहा, 'हम हमेशा से मानते रहे हैं कि जिंदगी के सबसे खास पल वही होते हैं, जो आप अपने प्रिय लोगों के साथ साझा करते हैं। हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी जिंदगी का यह नया अध्याय मुंबई में अपने घर पर, अपने परिवार और सबसे करीबी दोस्तों के बीच शुरू कर पा रहे हैं।'

तनाव के बीच कतर से विमानों का संचालन शुरू

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच 12 से 17 मार्च तक सीमित विमान सेवा, भारत के लिए भी तय हुआ विशेष कार्यक्रम

दोहा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान के हमलों के बाद हवाई यातायात पर गहरा असर पड़ा है। कई देशों के नागरिक अलग-अलग स्थानों पर फंस गए हैं। इसी स्थिति को देखते हुए कतर ने 12 मार्च से दोहा से सीमित संख्या में विमान संचालन शुरू करने का फैसला किया है। कतर की विमानन कंपनी कतर एयरवेज के अनुसार ताजा हालात को ध्यान में रखते हुए 12 मार्च से 17 मार्च के बीच दोहा आने-जाने के लिए सीमित उड़ानों का संचालन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अलग-अलग देशों में फंसे यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना है। इस बीच कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कैबिनेट की बैठक की। उन्होंने क्षेत्र में जारी तनाव और अमेरिका-इस्रायल तथा ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच देश की सुरक्षा और तैयारी को मजबूत करने की

अपील की। उधर बहरीन के गृह मंत्रालय ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। मंत्रालय के अनुसार ये लोग महत्वपूर्ण स्थानों की तस्वीरें ले रहे थे। गिरफ्तार लोगों की उम्र 22 से 36 वर्ष के बीच बताई गई है, जबकि 25 वर्ष का एक अन्य आरोपी विदेश में फरार है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों से तस्वीरें लीं और विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से यह जानकारी ईरान भेजी। सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। कि यह नियमित विमान सेवा की शुरुआत नहीं है। अभी विमान सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हैं और विशेष कार्यक्रम के तहत ही उड़ानें चलाई जा रही हैं। कंपनी का कहना है कि एयरस्पेस पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही सामान्य विमान संचालन फिर से शुरू किया जाएगा।

12 मार्च को 29 विमानों का संचालन

नए कार्यक्रम के अनुसार 12 मार्च को हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कुल 29 विमानों का संचालन किया जाएगा। इनमें से 15 विमान दोहा से रवाना होंगे, जबकि 14 विमान अन्य देशों से दोहा पहुंचेंगे। दोहा से उड़ान भरने वाले विमान मुख्य रूप से मुंबई, नई दिल्ली, इस्लामाबाद, न्यूयॉर्क, फ्रैंकफर्ट, बीजिंग, लंदन, काहिरा और जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होंगे। वहीं सियोल, जेद्दा, नई दिल्ली, हांगकांग, मस्कट, मेलबर्न, डलास और बैंकॉक से विमान दोहा पहुंचेंगे।

सीमित हवाई मार्ग से मिल रही अनुमति

कतर एयरवेज ने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें एक सीमित हवाई मार्ग का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। इसी वजह से फिलहाल सीमित संख्या में ही उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया है कि यह नियमित विमान सेवा की शुरुआत नहीं है। अभी विमान सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हैं और विशेष कार्यक्रम के तहत ही उड़ानें चलाई जा रही हैं। कंपनी का कहना है कि एयरस्पेस पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही सामान्य विमान संचालन फिर से शुरू किया जाएगा।

भारत के लिए विशेष उड़ानें

भारत के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए भी विशेष कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत 13 मार्च को दोहा से कोच्चि के लिए विमान उड़ान भरेगा। इसके अलावा 14 मार्च को मुंबई, 15 मार्च को नई दिल्ली और 16 मार्च को कोच्चि तथा मुंबई के लिए विमान रवाना किए जाएंगे। 17 मार्च को भी कोच्चि और मुंबई के लिए दोहा से विमान भेजे जाएंगे। वापसी की उड़ानों में कोच्चि से 14 मार्च को, मुंबई से 15 मार्च को और नई दिल्ली से 16 मार्च को दोहा के लिए विमान उड़ान भरेंगे।

अमेरिका ने पाकिस्तान में बंद किया अपना वाणिज्य दूतावास

हर साल 75 लाख डॉलर की होगी बचत

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को हमेशा के लिए बंद करने का फैसला किया है। यह राजनयिक मिशन अफगानिस्तान सीमा के सबसे करीब था। साल 2001 में अफगानिस्तान पर हमले के समय और उसके बाद भी यह जगह अमेरिका के लिए ऑपरेशंस और रसद का मुख्य केंद्र रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस हफ्ते कांग्रेस को वाणिज्य दूतावास बंद करने की योजना के बारे में बताया। विभाग का कहना है कि इस कदम से हर साल लगभग 75 लाख डॉलर की बचत होगी। अमेरिका का मानना है कि इस फैसले से पाकिस्तान में उसके राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की क्षमता पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को मिले एक नोटिस से यह जानकारी सामने आई है। यह फैसला पिछले एक साल से विचाराधीन था। ट्रंप प्रशासन ने लगभग सभी सरकारी एजेंसियों के खर्चों और आकार को छोटा करना शुरू किया है।

विभाग ने साफ किया है कि इस फैसले का ईरान के साथ चल रहे तनाव से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, ईरान विवाद की वजह से कराची और पेशावर जैसे शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिस कारण वाणिज्य दूतावास ने कुछ समय के लिए अपना काम रोक दिया था। अब अमेरिकी नागरिकों और अन्य लोगों को वाणिज्य दूतावास से जुड़ी सेवाएं इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास से मिलेंगी। इस्लामाबाद यहां से करीब 184 किलोमीटर दूर है। अमेरिकी सरकार का कहना है कि दूतावास इन सभी कामों और विदेशी मदद प्रोग्राम की निगरानी को अच्छे से संभाल लेगा।

गिराव : 76,550 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 100 अंक टूटा, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में बिकवाली

सेंसेक्स में 300 अंक की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 12 मार्च को लगातार दूसरे गिरावट है। सेंसेक्स करीब 500 अंक की गिरावट के साथ 76,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 150 अंक की गिरावट है, ये 23,700 पर कारोबार कर रहा है।

,टो, मेटल, FMCG और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आज तेजी है। ब्रेंट क्रूड करीब 9% बढ़कर फिर 101 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी तेल WTI भी 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है।

इससे पहले कल इस कच्चे तेल की कीमत में गिरावट थी। वहीं 9 मार्च को ब्रेंट क्रूड 116 डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पहले कल यानी 11 मार्च को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। इससे पहले

11 मार्च को एफआईआई ने 4,672 करोड़ के शेयर्स बेचे

- एक दिन पहले विदेशी निवेशकों (FIIs) ने कैश सेगमेंट में 6,267 करोड़ के शेयर बेचे। घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 4,965 करोड़ की नेट खरीदारी की।
- मार्च महीने में विदेशी निवेशकों ने अब तक 39,116 करोड़ के शेयर्स बेचे। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 53,099 करोड़ की नेट खरीदारी की है।
- फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने 6,640 करोड़ के शेयर्स बेचे हैं। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 38,423 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

कल यानी 11 मार्च को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1342 अंक (1.72%) की गिरावट के साथ 76,864 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 395 अंक (1.63%) की गिरावट रही, ये 23,867 पर बंद हुआ था।

एशियाई बाजारों में गिरावट

- साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.30% गिरकर 5,537 पर कारोबार कर रहा है।
- जापान का निक्केई 848 अंक या 1.50% गिरकर 54,177 पर कारोबार कर रहा है।
- हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 344 अंक या 1.30% गिरकर 25,554 पर कारोबार कर रहा है।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 26 अंक या 0.64% नीचे 4,106 पर कारोबार कर रहा है।

पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारत की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। दिग्गज जापानी निवेश बैंक नोमुरा ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की अर्थव्यवस्था करीब सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। हालांकि बैंक ने चेतावनी दी है कि क्षेत्रीय संघर्ष भारत के तथाकथित गोल्डीलॉक्स आर्थिक दौर के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। नोमुरा की भारत और एशिया (जापान को छोड़कर) की मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा और अर्थशास्त्री ऑरोदीप नंदी की रिपोर्ट के अनुसार, अगर पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। नोमुरा ने यह भी कहा कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से एशिया की कई अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है, जो फिलहाल अपेक्षाकृत निम्न स्तर पर है।

सिलेंडर की ब्लैक मार्केटिंग, ₹900 वाला ₹1800 में मिल रहा

कॉमर्शियल सिलेंडर के ₹4000 वसूले जा रहे, गैस की किल्लत से इंडक्शन की डिमांड 50% बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत बढ़ती जा रही है। गैस सिलेंडर एजेंसियों के बार लम्बी लाइनें लगी हुई हैं। इसके अलावा गैस सिलेंडर कालाबाजारी भी होने लगी है। बिहार में घरेलू गैस सिलेंडर 1800 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। वहीं मध्य प्रदेश में कॉमर्शियल सिलेंडर ब्लैक में 4000 रुपए में बिक रहा है। इतना ही नहीं कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में इंडक्शन पर खाना बनाना शुरू कर दिया है। बाजार इंडक्शन की डिमांड भी बढ़ गई है। जयपुर के जयंती बाजार, एसोसिएशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने बताया कि गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं होने से इंडक्शन चूल्हे की खरीददारी बढ़ी है। जयपुर शहर में 2500 से 3000 तक इंडक्शन चूल्हे

की ब्रिकी होती थी, वो 50% बढ़कर 4500 तक पहुंच गई है। इससे आगे इनके रेट पर 12 से 15% का इजाफा भी हो सकता है। 1,918 रुपए का कॉमर्शियल सिलेंडर भोपाल में ब्लैक में 4000 रुपए में बिक रहा है। इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि भोपाल के बरखेड़ा पठानी में भारत गैस की एजेंसी पर खुलेआम 4 हजार में सिलेंडर बेचा जा रहा है। सरकार ने कालाबाजारी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम को लागू किया है लेकिन कालाबाजारियों पर इसका असर नहीं पड़ा है। इस खेल में एक प्राइवेट गैस एजेंसी संचालक, कर्मचारी और दलाल भी शामिल हैं। इसके अलावा गैस की अवैध रिफिलिंग करने वाले भी मौके का फायदा उठा रहे हैं। देहरादून और हल्द्वानी में व्यावसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और ठेला संचालकों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सिलेंडर की कमी के कारण कई प्रतिष्ठानों ने अपने मेन्यू से करीब 70% फूड आइटम हटा दिए हैं, जबकि कई लोग वैकल्पिक इंतजाम में जुट गए हैं। घरेलू सिलेंडरों की डिलीवरी पहले जो 1-2 दिन में हो जाती थी, अब एक हफ्ते तक इंतजार करना पड़ रहा है। हिसार, सोनीपत, फतेहाबाद, हांसी, पानीपत, कैथल, रेवाड़ी और फरीदाबाद में गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी हैं।

लखनऊ में शंकराचार्य से मिले अखिलेश यादव

बोले- नकली संतों का अंत होगा, एक घंटे तक चली मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गुरुवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की। करीब एक घंटे तक बंद कमरे में चली मुलाकात के बाद अखिलेश ने कहा- शंकराचार्य से मिलकर आ रहा हूं। उनके आशीर्वाद से अब नकली संतों का अंत होगा। अब वे लोग भी बेनकाब होंगे जो धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह करते हैं। सबका सच सामने आएगा। सपा मुखिया अपने आवास से करीब 12.30 बजे अविमुक्तेश्वरानंद से मिलने के लिए निकले और कृष्णा नगर क्षेत्र में प्रवास कर रहे शंकराचार्य के पास पहुंचे। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी भी थे। अखिलेश ने दरवाजे पर मिले सभी संतों से हाथ जोड़कर प्रणाम किया। उनसे आशीर्वाद लिया। प्रयागराज माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य और प्रशासन के बीच विवाद हुआ था।

'नया काम शुरू करने से पहले संत-महात्माओं का आशीर्वाद जरूरी'

अखिलेश ने कहा- आज मैं शंकराचार्य से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने आया था। हमारे यहां परंपरा रही है कि जब भी कोई नया काम शुरू किया जाता है तो सबसे पहले संत-महात्माओं का आशीर्वाद लिया जाता है। मैं भी इसी भावना से उनके पास आया। संतों का आशीर्वाद हमेशा समाज और देश के लिए शुभ होता है और इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

> मुलाकात के बाद शंकराचार्य ने भी मीडिया से बात की। उन्होंने कहा अखिलेश दर्शन करने के लिए आए थे। उनके साथ सत्संग की बातें हुईं। मुलायम सिंह यादव के समय की बातें भी हुईं। हमारी बात अकेले में हुई। हमने उनको अपनी यात्रा के बारे में बताया। अभी तक हमारे पास सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं आया और कहते हैं कि हिंदुओं की पार्टी भाजपा। जब हम हिंदू की बात करते हैं तो वही नहीं आते हैं, बाकी सब आते हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद जहां पर रुके हुए हैं, वहां की तस्वीर। यह अखिलेश यादव की गाड़ी है।

'लोग चूल्हे और लकड़ी पर खाना बनाने को मजबूर'

उन्होंने कहा- आज देश में लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। BJP की नीतियों और कामकाज से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार के गलत फैसलों का असर आम लोगों के जीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। गैस सिलेंडर की उपलब्धता और कीमतों की वजह से लोग फिर से पुराने समय की तरह चूल्हे और लकड़ी पर खाना बनाने को मजबूर हो रहे हैं। अखिलेश ने कहा- इस प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से सरकार ही नहीं चल रही है।

'सपा हमेशा से गो-संरक्षण के पक्ष में'

उन्होंने कहा- सपा हमेशा से गो-संरक्षण के पक्ष में रही है। हमने अपने कार्यकाल में गायों की देखभाल और उनसे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए थे। गाय के दूध का पहला प्लांट समाजवादी सरकार के समय कन्नौज में स्थापित किया गया था।

मुलाकात के बाद शंकराचार्य ने भी मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- अखिलेश दर्शन करने के लिए आए थे। उनके साथ सत्संग की बातें हुईं। मुलायम सिंह यादव के समय की बातें भी हुईं। हमारी बात अकेले में हुई। हमने उनको अपनी यात्रा के बारे में बताया। अभी तक हमारे पास सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं आया और कहते हैं कि हिंदुओं की पार्टी भाजपा। जब हम हिंदू की बात करते हैं तो वही नहीं आते हैं, बाकी सब आते हैं।

एसटीएफ ने 1 करोड़ के गांजे के साथ तस्कर दबोचा

उड़ीसा से डीसीएम में लाई गई खेप, लखनऊ और रायबरेली में खपानी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ STF ओर निगोहां पुलिस ने 1 करोड़ के गांजे के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। वह उड़ीसा से DCM में गांजा की खेप लेकर आया था। उसे लखनऊ और रायबरेली में खपाना था। उसके पास से 775 किलो गांजा, DCM, 2 मोबाइल और 210 रुपए बरामद हुए हैं। संयुक्त टीम ने तस्कर को बुधवार देर रात निगोहां थाना क्षेत्र के नगराम मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान मुरादपुर, थाना बिंदकी, जिला फतेहपुर निवासी कौशल कुमार (22) के रूप में हुई। उसे उड़ीसा से गांजा लाने के 50 हजार रुपए मिलते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी बोरियों में गांजा छिपाकर लाया था। उसके पास से 31 बोरियां मिलीं। उनमें पैकेट बनाकर 775 किलो गांजा मिला। पूछताछ में उसने बताया कि DCM समरजीत उर्फ सोनू गुप्ता की है। उसने ही

उड़ीसा में गांजा की खेप लोड कराई थी। गांजा की खेप लखनऊ पहुंचाने के लिए 50 हजार रुपए दिए थे। आरोपी ने बताया कि यह गांजा नगराम के मयंक गुप्ता, रायबरेली के रविंद्र जायसवाल और हुसैनगंज के सैय्यद दावर अलवी को देना था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। यह गांजा तस्करी का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क है। इसकी जड़ तक जाने की कोशिश की जा रही है। आरोपी ने जिन चार लोगों के नाम बताए हैं। उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उनकी तलाश भी की जा रही है।

फास्ट न्यूज

मां-नेत्रहीन बेटे की हत्या के आरोपी का एनकाउंटर

लखनऊ। लखनऊ में मां और नेत्रहीन बेटे की हत्या के आरोपी को पुलिस ने दौड़ाकर गोली गोली मार दी। गोली उसके बाएं पैर में लगी। उसने घिरने पर पुलिस पर तमंचे से फायर कर दिया था। आरोपी की तलाश पुलिस की चार टीमें लगातार कर रही थीं। यह हाफ एनकाउंटर बुधवार रात हुआ। आरोपी की पहचान मोहनलालगंज के सिसेंडी कस्बा के किशन रावत के रूप में हुई।

सुशांत गोल्फ सिटी के नाम पर फर्जीवाड़ा

लखनऊ। ED के लखनऊ जोनल ऑफिस ने अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (APIL) और उसके प्रमोटरों की 313.12 करोड़ रुपए की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क कर ली हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत की गई है। ईडी की जांच में सामने आया है कि कंपनी ने लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी प्रोजेक्ट के नाम पर होमबायर्स से भारी रकम वसूल कर उसका एक बड़ा हिस्सा अन्य गतिविधियों में डायवर्ट कर दिया। ईडी की ओर से कुर्क की गई संपत्तियों में आगरा में स्थित करीब 9.08 हेक्टेयर आवासीय जमीन शामिल है। इन संपत्तियों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 313.12 करोड़ रुपए बताई गई है। जांच एजेंसी के अनुसार ये संपत्तियां अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से जुड़ी सहयोगी कंपनियों के नाम पर दर्ज हैं।

मौसी के बॉयफ्रेंड की गोली मारकर हत्या

झांसी। झांसी में पूर्व पार्षद के बेटे सतीश श्रीवास की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, अवैध प्रेम संबंधों के चलते पूर्व पार्षद के बेटे की हत्या की गई थी। हत्यारोपी भाइयों की मौसी से मृतक के अवैध संबंध बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, दो भाइयों ने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर सतीश को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। मऊरानीपुर कस्बे में यह घटना 7 मार्च को हुई थी।

सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने सड़क पर घसीटा

एलपीजी सिलेंडर के लिए कर रहे थे प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सपा कार्यकर्ताओं ने LPG सिलेंडर के लिए प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने एक-एक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। यह देखते ही कई कार्यकर्ता सड़क पर लेटकर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने घसीट-घसीटकर गाड़ी में बैठा दिया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता पुलिस की गाड़ी की छत पर चढ़ गए। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'नाम नरेंदर, काम सरेंडर' जैसे नारे लगाते हुए सरकार पर महंगाई को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के कारण कुछ देर के लिए हजरतगंज चौराहे पर हलचल का माहौल रहा। सपा नेताओं का कहना है कि रसोई गैस के दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। एक कार्यकर्ता

ने कहा- सिलेंडर का दाम बढ़ गया है, गरीब आदमी परेशान है। इस सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। हम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जनता की आवाज उठाएंगे। इस सरकार को सुझाव भी देते हैं कि जल्द से जल्द सिलेंडर उपलब्ध कराए। नरेंद्र मोदी सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। इनका कोई विजन नहीं है। केवल जनता को परेशान किया जा रहा है। सरकार किसान विरोधी, छात्र विरोधी, गरीब विरोधी है।

प्रोवोस्ट ने खड़े किए हाथ, चीफ प्रॉक्टर को लिखा- महोदय, आप ही बताइए क्या किया जाए

गैस किल्लत से केजीएमयू के हॉस्टल्स की मेस बंद

- केजीएमयू का पेशेंट किचन सूना हो रहा है। यहां एजेंसी से गैस की डिलीवरी नहीं आ रही है।
- पेशेंट किचन के हेड कुक राम सजीवन ने बताया कि 4 दिन से सिलेंडर की डिलिवरी नहीं आई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। एलपीजी की बढ़ती किल्लत के बीच देश के श्रेष्ठ मेडिकल संस्थानों में से एक लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में मरीजों और मेडिकोज के भोजन पर संकट खड़ा हो गया है। मरीजों के नाश्ता और रोटियों में कटौती शुरू हो गई है तो

मेडिकोज (MBBS स्टूडेंट्स) के हॉस्टल की मेस बंद होती जा रही हैं। हालात ये हैं कि मरीजों के लिए 5 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर से किसी तरह काम चलाया जा रहा है। वहीं, हॉस्टल्स के प्रोवोस्ट ने हाथ खड़े कर दिए हैं। सरदार पटेल हॉस्टल के प्रोवोस्ट ने चीफ प्रॉक्टर को इसके लिए लेटर भी लिख दिया है। उन्होंने कहा है- 'महोदय, अब आप ही दिशा-निर्देश दीजिए कि क्या किया जाए।'

> कमर्शियल गैस सिलेंडर की मांग के अनुसार आपूर्ति नहीं होने से एसजीपीजी आई और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भी मरीजों के भोजन पर असर पड़ने की आशंका है।

मरीजों के लिए निर्धारित है डाइट

KGMU में भर्ती मरीजों के लिए डाइट निर्धारित है। पेशेंट कुक मुजीब ने बताया- सुबह की शुरुआत चाय से होती है। फिर नाश्ता होता है। इसके बाद दोपहर का लंच और फिर शाम की चाय और फिर रात में डिनर दिया जाता है। किचन में रोजाना औसतन 2500 मरीजों का खाना तैयार होता है। इस समय एलपीजी की किल्लत का असर यह है कि मरीजों को नाश्ता के अलावा रोटियां तक डाइट के मुताबिक नहीं दे पा रहे हैं।

रोजाना 7 सिलेंडर की होती थी खपत

KGMU किचन में काम करने वाले वर्कर्स के मुताबिक, यहां पर रोजाना करीब 7 सिलेंडर की खपत होती थी। इनमें से 5 सिलेंडर खाना बनाने में जबकि दो सिलेंडर रोटी सेंकने में काम आते थे। मौजूदा समय कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने के कारण मिनी साइज 5 किलो के कॉमर्शियल सिलेंडर से खाना पकाया जा रहा है। इनको बार-बार बदलने में समय भी ज्यादा लग रहा है और खाने की पूरी आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है।

चीफ प्रॉक्टर को लेटर लिखकर बताए हालात

सरदार पटेल हॉस्टल के प्रवेक्षक ने चीफ प्रॉक्टर को लेटर भेजा है कि गैस न मिलने के कारण उनकी सभी मेस में खाना नहीं बन पा रहा है, जिससे छात्रावास में छात्रों को काफी असुविधा हो रही है। इस स्थिति में चीफ प्रॉक्टर अपने स्तर पर उचित दिशा-निर्देश देने का कष्ट करें।

KGMU में पेशेंट रसोई में खाली सिलेंडर रखे हुए हैं। आपूर्ति बाधित होने से इन्हें रिफिल नहीं कराया जा सका है।

एजेंसी के माध्यम से होती थी डिलीवरी

KGMU में पेशेंट किचन में हम पहुंचे। यहां के हेड कुक, कुक और कर्मचारियों से बात की। हेड कुक राम सजीवन ने बताया कि 4 दिन से सिलेंडर की डिलीवरी नहीं आ रही है। गैस एजेंसी के माध्यम से गैस की सप्लाई होती थी।

14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

शीर्घ सुलभ व सक्षम न्याय पाने के लिए आए लोक अदालत : जीवक कुमार सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को किया जाएगा। उक्त के संबंध में जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिविल जज (सीडी) जीवक कुमार सिंह ने बताया कि 14 मार्च को विशाल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें वादों का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च शनिवार को सुबह 10:00 बजे से कार्यावधि तक जनपद न्यायालय परिसर

लखनऊ, परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, कमर्शियल कोर्ट लखनऊ तथा कलेक्ट्रेट, समस्त तहसीलों एवं अन्य सम्बन्धित विभागों में वादों का निष्पादन किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में फौजदारी वाद दीवानी वाद भारत पोषण वैवाहिक पारिवारिक बाद स्टांप बात पंजीयनवाद मोटर अधिनियम चकबंदी मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद श्रम वाद उपभोक्ता फॉर्म बाद भूमि अधिकरण करण वाद उपभोक्ता फॉर्म वाद मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद बात माफ अधिनियम के अंतर्गत चालान से संबंधित मुकदमें ऋण वसूली अभिकरण के मामले बैंक रिकवरी आदि के मामले की राजधानी चेक बाउंस उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बीपीएल राशन कार्ड जनहित गारंटी कानून अंतरिम रिपोर्ट चलचित्र अधिनियम के अंतर्गत चालान मनोरंजन कर अधिनियम के अंतर्गत चालान विकास प्राधिकरण के अंतर्गत के मामले आदि मामलों की आपसी सहमति के आधार पर निपटाया जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिविल जज (सीडी) जीवक कुमार सिंह ने जनता से अपील करते हुए कहा है कि वह राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर फायदा उठाएं और शीर्घ सक्षम और सुलभ न्याय पाएं।

वारदात : पति से बोली- अम्मी को अटैक पड़ा, ननद से लड़ाई हुई तो मुंह से सच निकला

बहू ने सास की गला दबाकर हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में बहू ने प्रेमी के साथ मिलकर सास की हत्या कर दी। फिर पति को फोन किया- अम्मी कुछ बोल नहीं रही हैं। लगता है साइलेंट हार्ट अटैक पड़ा है। मौत की खबर सुनते ही ससुर-पति नोएडा से पहुंचे। रिश्तेदार भी आए।

बहू ने खूब रोने का नाटक किया। उसकी कहानी को सच मानकर परिवार ने शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। सबकुछ उसके प्लान के मुताबिक हुआ। किसी को उस पर शक नहीं हुआ। हत्या के 3 दिन बाद बहू का ननद से खाना बनाने के लिए झगड़ा हो गया।

गुस्से में बहू ने बोल दिया- मैंने तेरी मां को मारा है, जा तू मेरा बाल भी बांका कर ले। तुझे भी खत्म कर दूंगी। यह बात सुनकर परिवार को शक हो गया। ससुर ने पुलिस को शिकायत कर दी। पुलिस ने सास का शव कब्र से निकलवाया। पोस्टमॉर्टम हुआ तो गला दबाकर हत्या की

बात क्लियर हुई। पुलिस ने बहू को पकड़ा तो उसने प्रेमी के साथ हत्या की बात कबूल ली। उसने बताया- सास ने मुझे प्रेमी के साथ देख लिया था, इसलिए उसे मार डाला। पुलिस ने बुधवार को दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। मामला थाना राया क्षेत्र का है। अनवरी की मौत के बाद परिवार गम में डूबा था। बेटी अमीना घर पर ही थी। 6 मार्च को खाना बनाने को लेकर हिना और अमीना की बहस हो गई। बौखलाहट में हिना के मुंह से अम्मी की हत्या बात निकल गई। यह सुनते ही अमीना के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने तुरंत पिता और भाई को पूरी बात बताई।

बाप-बेटे नोएडा में काम करते थे, घर पर सास-बहू ही रहती थीं

भंकरपुर बसेला गांव के रहने वाले अनवर (50) अपनी पत्नी अनवरी (52) के साथ रहते हैं। उनके बेटे आमिर (26) की शादी 2020 में हाथरस के गांव कोटा कपूरा की रहने वाली हिना (24) से हुई। अनवर ने अपनी बेटी अमीना की शादी भी हाथरस में की है। अनवर और आमिर दोनों नोएडा में ड्राइवरी का काम करते हैं। घर पर अनवरी और हिना ही रहती थीं।

ससुर को पड़ोसी आदिल और हिना के अफेयर का पता चला

अमीना की बात सुनकर ससुर अनवर ने अगले दिन यानी 7 मार्च को आसपास के लोगों से बात की। लोगों ने उन्हें बताया कि पड़ोसी आदिल (19) का हिना से काफी मिलना-जुलना था। वह अक्सर हिना से मिलने घर आता था। कई बार उसे रात में घर आते और सुबह बाहर जाते देखा था। इससे अनवर को पूरी बात समझ आ गई। उन्होंने 8 मार्च को पुलिस से हिना के खिलाफ शिकायत की।

> पुलिस ने बताया- 2 मार्च की रात हिना ने पति आमिर को फोन किया। कहा- अम्मी बोल नहीं रहीं, उनको अटैक आया है। लगता है वो नहीं रहीं। सुनते ही आमिर और उसके पिता गांव आए। अमीना भी घर आ गई। 3 मार्च को परिवारवालों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में सास को कब्रिस्तान में दफनाया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

पेट्रोलियम मंत्री ...

और यह समझौते से जुड़ी लगती है। तेल मंत्री खुद कह चुके हैं कि वे एपस्टीन के दोस्त हैं। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। स्पीकर बिरला ने राहुल को टोका,'जिस विषय पर नोटिस दिया है उस पर बोलिए। इस पर बोलना है तो नोटिस दीजिए। इतना कहते ही विपक्ष के सांसद हंगामा करने लगे। बिरला ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी से बोलने को कहा- पुरी ने जैसे ही बोलना शुरू किया एपस्टीन-एपस्टीन के नारे लगे। आज सुबह लोकसभा में विपक्ष के सांसदों ने देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर हंगामा किया। सांसदों ने संसद के बाहर 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' के नारे लगाए।

राहुल ने एलपीजी संकट पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। राहुल गांधी ने सरकार से LPG की कमी से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता किया, इसलिए बड़ी समस्या आने वाली है। इससे पहले लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला 10 फरवरी के बाद अध्यक्ष की चेयर पर बैठे। विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज हो गया।

अमेरिकी बेस पर ...

ईरान के सरकारी टीवी पर पढ़कर सुनाए गए संदेश में खामेनेई ने कहा कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट का रास्ता भी नहीं खोला जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध लगातार तेज हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के हमलों के पहले दिन मोजतबा खामेनेई के पैर में फ्रैक्चर हो गया था और उन्हें हल्की चोटें भी आई थीं। बताया गया कि वह उसी हवाई हमले में घायल हुए थे, जिसमें उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। मिडिल-ईस्ट में जारी इस संघर्ष के बीच भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों ने पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उनसे पूछा गया कि क्या ईरान ने भारत जाने वाले जहाजों को अनुमति दी है। इस पर उन्होंने कहा कि फिलहाल इस विषय पर ज्यादा कुछ कहना जल्दबाजी होगा। हाल की बातचीत में समुद्री शिपिंग की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। जायसवाल ने यह भी कहा कि भारत ने ईरान के दिवंगत नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने बताया कि विदेश सचिव ने 5 मार्च को ईरानी दूतावास में जाकर शोक-पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने आगे लिखा, "मैं ऐसा कभी होने नहीं दूंगा।" ट्रम्प की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (IEA) ने चेतावनी दी है कि ईरान के बढ़ते हमलों की वजह से दुनिया को तेल की सप्लाई में इतिहास की सबसे बड़ी रुकावट का सामना करना पड़ सकता है। मुजतबा ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि उन्हें ईरान पर किए गए हमलों की 'भरपाई' करनी होगी। हालांकि उन्होंने इन दोनों देशों का नाम नहीं लिया और उन्हें सिर्फ 'दुश्मन' कहा। उन्होंने कहा, "हम दुश्मन से नुकसान की भरपाई मांगेंगे। अगर हमें यह भरपाई नहीं मिली, तो उन्होंने हमारे जितना नुकसान किया है, उतना ही हम उनकी संपत्ति को तबाह करेंगे।" मुजतबा ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ 'दोस्ती' चाहता है और उसका निशाना सिर्फ उन देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं। इसमें मौजूदा सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई, उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई तथा उनसे पहले इस पद पर रहे और ईरानी इस्लामी क्रांति के संस्थापक रुहोल्लाह खुमैनी का नाम शामिल है।उन्होंने कहा, "हमारे इन 15 पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। हमने सिर्फ वहां मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और हम ऐसा आगे भी करते रहेंगे।" उन्होंने इन देशों से अपील की कि वे हमलावरों के खिलाफ अपना रुख साफ करें और अपने यहां मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को 'जल्द से जल्द' बंद कर दें। मुजतबा खामेनेई के आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर उनकी लिखावट में एक तस्वीर जारी की गई है। तस्वीर में ईरान के सुप्रीम लीडरों के नाम लिखे हुए हैं। इसमें मौजूदा सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई, उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई तथा उनसे पहले इस पद पर रहे और ईरानी इस्लामी क्रांति के संस्थापक रुहोल्लाह खुमैनी का नाम शामिल है। इसके नीचे एक छोटा संदेश लिखा है- "अल्लाह के नाम से, जो बड़ा मेहरबान और रहम करने वाला है।" यह वाक्य आमतौर पर किसी नई शुरुआत का संकेत माना जाता है।

एलपीजी की ...

सभी गैस वितरकों को इसका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है। कि उपभोक्ताओं को केवल गैस सिलेंडर की बुकिंग करनी होगी। इसके बाद निर्धारित समय में सिलेंडर सीधे उनके घर पहुंचा दिया जाएगा। एलपीजी से जुड़ी शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है।कंट्रोल रूम में दो शिफ्ट में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पहली शिफ्ट सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक संचालित होगी।उपभोक्ता गैस से संबंधित समस्या या शिकायत के लिए कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

महिलाओं के सामने चुनौतियां विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

जहां नारी की इज्जत, सम्मान होता है

तमसा संकेत, एजेंसी

सामाजिक संस्था अलग दुनिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेस क्लब लखनऊ के सभागार में राजनीति में महिलाओं के सामने चुनौतियां विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया संगोष्ठी में जाने माने विषय विशेषज्ञ वरिष्ठ पत्रकार और संपादक कृष्णकांत वत्स, पूर्व आईपीएस डॉ बीपी गौतम, इंजी. एम ए राईनी. डॉ वंदना अवस्थी. डॉ अशोक मिश्रा. गौतम राणा. डॉ. चंद्रेश राज, इंदु पांडे, आलोक चटिया, सर्वेश द्विवेदी, सावित्री सिंह, पीसी कुरील, सोहित यादव, प्रमोद कुमार आदि ने महिलाओं का सर्वश्रेष्ठ योगदान तभी संभव है जब हम उनको जीवन के हर क्षेत्र में भागीदारी सुरक्षित करें साथ ही बेटियों को उच्च सपने देखने के लिए प्रेरित करें और उन्हें हर कदम पर पूरा करने में उनका तन मन धन से सहयोग करें। देश और समाज के विकास के लिए उत्थान के लिए उन्हें अंधविश्वास और पाखंडों से भी मुक्त करना होगा और खुद को भी अपने को

अंधविश्वास पाखंड और ढकोसलों से मुक्त करना होगा. संविधान शिल्पी बाबा साहब भारत रत्न डॉभीमराव अंबेडकर के संविधान के अनुरूप चलने के लिए तथा वैज्ञानिक सोच भी उनके मन मस्तिष्क में पैदा करने की जरूरत है. पूर्व महिला आयोग के सदस्य निर्मला ने कहा की जहां नारी की इज्जत सम्मान होता है वही देवता सज्जन पुरुषों का वास होता है संस्कारों को मजबूत किया जाए संस्कार अच्छे होते हैं तो परिवार समाज देश अच्छा होता है एक दूसरे की इज्जत करना सीखें यही सभी धर्म सीख देते हैं कट्टरपन और धार्मिक लोगों को खत्म करना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676